गर्भावस्था के दौरान गर्भ में बढ़ते हुए शिशुओं के कारण न्यूट्रिशनल डिमांड दुगनी हो जाती है अतः गर्भावस्था के दौरान खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सही खान पान मेडिटेशन, व्यायाम और दवाईयों के उचित उपयोग से मल्टीपल प्रेग्नेंसी में होने वाली जटिलताओं को कम किया जा सकता है।

आराम :- मल्टीपल प्रेग्नेंसी में प्रीटर्म Preterm प्रसव होने का जोखिम की वजह से आराम करने की सलाह दी जाती है।

प्रसव का समय :-

मल्टीपल प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भवती महिलाओं को समय के पूर्व प्रसव दर्द (Preturm Labour) हो सकता है। जिन महिलाओं को प्रसव दर्द नही होता है उन्हे आने के बाद आपके चिकित्सक द्वारा अपनी नियत तिथि के पूर्व प्रसव करवाने (Elective Birth) की सलाह दी जाती है।मल्टीपल प्रेग्नेंसी में प्रसव का सही समय व्यक्तिगत परिस्थितियों पर निर्भर करता है यदि आपकी गर्भावस्था Complicated है तो आपको इलेक्टीव बर्थ (Induction or Planned Section) की सलाह दी जाती है जैसे कि-

नार्मल (Vaginal) डिलीवरी अथवा सिजेरियन डिल्हेवरी का होना गर्भ के अंदर शिशुओं की स्थिति पर निर्भर करता है।

ब्रेस्टफिडिंग :-

मल्टीपल प्रेगनेंसी में डिलीवरी के बाद अपने शिशुओं को ब्रेस्टफिडिंग शुरू कराना चाहिए।

मल्टीपल प्रेगनेंसी में गर्भवती महिला को शुरूआती दिनों से Healthy खानपान पर ध्यान देना चाहिए जिससे की माँ के दूध की मात्रा दोनो बच्चों को सही मात्रा में मिल सके

उपलब्ध सुविधाएं

- 7 स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम
- आधुनिक मेडिकल एवं सर्जिकल सेंटर
- प्रजनन केन्द्र (Fertility Centre) & IUI, IVF, ICSI
- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (High Risk Pregnancy)
- आधुनिक दूरबीन पद्धति (Laparoscopy) द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन
- बिना चीरा, बिना टांके के बच्चेदानी का ऑपरेशन **(Vaginal Hysterectomy)**
- गर्भाशय मुख की जाँच (Colposcopy)
- Malformation Scan (Sonography)
- विशेष गर्भ संस्कार मार्गदर्शन
- Hysteroscopy दूरबीन द्वारा बच्चेदानी की जाँच व ईलाज
- दर्द रहित प्रसव। (EPIDURAL)
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त गर्भपात एवं परिवार नियोजन केन्द्र।
- कम्प्यूटराईज मशीन द्वारा गर्भस्थ शिशु के धड़कन की जांच। (NST)
- स्तन कैंसर से बचाव व उपचार।
- मेनोपॉज क्लिनिक (रजोनिवृति)।
- पैथोलॉजी।
- फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध
- न्यूट्रीशियनिस्ट उपलब्ध

MULTIPLE PREGNANCY

जुड़वा गर्भावस्था

SBH® WOMEN HOSPITAL Pvt. Ltd.

ICSI एवं IVF (टिस्ट ट्यूब बेबी सेंटर)

सुपर स्पेशलिटी प्रसूति एवं स्त्रीरोग हॉस्पिटल

0771-4017979, 4047462 www.sbhhospital.com
विजेता काम्पलेक्स के सामने, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

मातृत्व हर महिला के लिए एक सुखद अहसास है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में कई शारीरिक और मानसिक परिवर्तन आते है। ऐसे में पता चले की गर्भ में जुड़वा बच्चे (Multiple Pregnancy) है तो गर्भवती होने की खुशी बढ़ जाती है। सामान्य प्रेग्नेंसी की तुलना में मल्टीपल प्रेगनेंसी अलग होती है। इस Leaflet के माध्यम से आपको मल्टीपल प्रेग्नेंसी से जुड़ी बातों की जानकारी देंगे।

मल्टीपल प्रेग्नेंसी क्या होती है?

जब गर्भवती महिला के गर्भाशय में एक से अधिक भ्रुण प्रत्यारोपित (Implant) होकर विकसित होते है तो ऐसी Condition को मल्टीपल प्रेग्नेंसी कहा जाता है। सामान्यतः यह 80 में से 1 गर्भावस्था में होता है।

- (Twins) ट्विन्स - 2 भ्रुण
- (Triplet) ट्रिपलेट - 3 भ्रुण
- (Quadreplets) क्वाड्रेप्लेट्स - 4 भ्रुण

मल्टीपल प्रेग्नेंसी कैसे होती है?

मासिक धर्म के दौरान एक से अधिक अंडे (Egg) निकलते है। तथा प्रत्येक Egg शुक्राणु द्वारा निषेचित होकर, गर्भाशय में प्रत्यारोपित हो जाते है।

एक ही एग (Egg) से पैदा होने वाले शिशुओं को आइडेंटिकल कहा जाता है। ऐसा तब होता है जब एक एग एक शुक्राणु से निषेचित (Fertilise) होता है, निषेचन के बाद एग (Egg) दो या दो से ज्यादा हिस्सों में विभाजित हो जाता है तथा जब दो या ज्यादा एग (Egg) अलग अलग शुक्राणु से निषेचित होते है तो ऐसे शिशु को फेटरनल (Fraternal Twins) कहते है।

मल्टीपल प्रेग्नेंसी का क्या कारण है?

1. यदि आपके परिवार में मल्टीपल प्रेग्नेंसी की History है।
2. यदि आप निः संतानता का उपचार ले रहे है।
3. आई.वी.एफ. (IVF) ट्रीटमेंट में मल्टीपल प्रेग्नेंसी की संभावना बढ़ जाती है।
4. यदि आपकी उम्र 35 वर्ष से अधिक है।

मल्टीपल प्रेग्नेंसी के विभिन्न प्रकार क्या है?

शुरूआती अल्ट्रासाउंड स्केन से मल्टीपल प्रेग्नेंसी (Twin or Triplet) की पुष्टि होती है।

गर्भावस्था के दौरान कोरिओनिसिटी (Chorionicity) का पता लगाना महत्वपूर्ण है। Twins Pregnancy तीन प्रकार की होती है।

Dichorionic Diamniotic
2 Placenta - 2 Sac- 2 Babies
प्रत्येक गर्भस्थ शिशु का प्लासेंटा अलग होता है।

Monochorionic Diamniotic
One Placenta - 2 Sac- 2 Babies
गर्भस्थ शिशु एक ही प्लासेंटा साझा करते है लेकिन एम्नीओटिक थैली अलग अलग होती है।

Monochorionic Monoamniotic
(One placenta - One Sac- 2 Babies)
गर्भस्थ शिशु एक ही प्लासेंटा और एम्नीओटिक थैली साझा करते है।

मल्टीपल प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भवती महिला व गर्भस्थ शिशुओं को क्या जटिलताएँ हो सकती है

सामान्य प्रग्नेंसी की तुलना में मल्टीपल प्रग्नेंसी में जटिलताएं (Complication) होने की संभावना अधिक होती है तथा प्रेग्नेंसी के दौरान अधिक ध्यान रखने की आवश्यकता होती है।

- सामान्य प्रग्नेंसी की तुलना में मल्टीपल प्रग्नेंसी में मार्निंग सिकनेस, स्तन में भारीपन (Breast Tenderness) सीने में जलन, कमरदर्द का अनुभव ज्यादा होता है
- एनिमिया - मल्टीपल प्रेग्नेंसी में Anemia (खून की कमी) होने की संभावना सामान्य की तुलना में ज्यादा होती है।
- उच्च रक्तचाप (Preeclampsia) - मल्टीपल प्रेग्नेंसी में Preeclampsia या बी.पी.बढ़ने की संभावना अधिक होती है।
- गेस्टेशनल डायबिटिज (Gestational Diabetes) - मल्टीपल प्रेग्नेंसी में Gestational Diabetes की संभावना एकल प्रेग्नेंसी की तुलना में बढ़ जाती है।
- प्रीमेच्योरिटी (Prematurity) - जिन महिलाओ को मल्टीपल प्रेग्नेंसी होती है उनमें समय के पहले प्रसव Preterm Delivery होने की संभावना अधिक होती है।

लगभग 100 में से 60 Twins Pregnancy की डिलीवरी 37 वें सप्ताह के पूर्व हो सकती है तथा ट्रिपलेट प्रेग्नेंसी में लगभग 100 में से 75 गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी 35वें सप्ताह के पूर्व हो सकती है।

प्रीमेच्योर शिशु होने के कारण उनमें श्वसन संबंधी (Breathing Difficulty), फीडिंग (Feeding) तथा संक्रमण होने की संभावना अधिक होती है। ऐसे शिशुओं को निओनेटल केयर की आवश्यकता होती है।

शिशुओं के विकास की समस्या (IUGR) निर्माण हो सकती है एक ही प्लेसेंटा के कार्य करने के कारण शिशुओं का विकास प्रभावित होता है

Twin to Twin Transfusion Syndrom- इस अवस्था में गर्भस्थ शिशु प्लासेंटा में साथ साथ ब्लड सप्लाई भी साझा करते है। 100 में से 15 गर्भावस्था में गर्भस्थ शिशुओं में ब्लड फ्लो बराबर नही होता है जिसके कारण एक शिशु का विकास ज्यादा तथा दूसरे शिशु का विकास कम होता है।

पोस्ट पार्टम हिमोरेज (Post Portum Hemorrhage)
प्रसव के दौरान तथा बाद भी अधिक रक्तस्त्राव होने की संभावना बढ़ जाती है।

मल्टीपल प्रेग्नेंसी के दौरान अतिरिक्त ध्यान

मल्टीपल प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा सावधानी रखने की आवश्यकता होती है -

- मल्टीपल प्रेग्नेंसी में एकल प्रेग्नेंसी की तुलना में अधिक गर्भावस्था परीक्षण (Antenatal Visit) की आवश्यकता होती है।
- गर्भस्थ शिशुओं के विकास को मॉनिटर करने के लिए सीरियल अल्ट्रासाउंड स्कैन की आवश्यकता होती है।